PRACTICES	HYBRID OKRA (ANAMIKA)	व्यवस्थापन	हाइब्रिड भिंडी (अनामिका)	વ્યવસ્થાપન	હાઇબ્રિડ ભીંડા (અનામિકા)	पद्धती	हाइब्रिड भिंडी (अनामिका)	நடைமுறைகள்	ஹைப்ரிட் வெண்டை (அநாமிகா)	అభ్యాసాలు	హైబ్రిడ్ బెండ (అనామిక)	ಅಭ್ಯಾಸಗಳು	ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬೆಂಡೆ (ಅನಾಮಿಕಾ)
Field Sanitation	Remove residues of previous crops, weeds, old vines and diseased/damaged plant material before sowing. Keep the boundries of field clean to reduce pest and disease carry-over.	**खेत की सफाई**	बुवाई से पहले पिछली फसलों के अवशेष, खरपतवार, पुरानी बेलें और रोगग्रस्त/क्षतिग्रस्त पौधों को हटा दें। कीटों और रोगों के प्रसार को कम करने के लिए खेत की सीमाओं को साफ रखें।	**ખેતરની સ્વચ્છતા**	વાવણી પહેલાં પાછલા પાકના અવશેષો, નીંદણ, જૂની વેલા અને રોગગ્રસ્ત/ક્ષતિગ્રસ્ત છોડની સામગ્રી દૂર કરો. જીવાત અને રોગના ફેલાવાને ઘટાડવા માટે ખેતરની સીમાઓ સ્વચ્છ રાખો.	**फील्ड स्वच्छता**	पेरणी करण्यापूर्वी मागील पिकांचे अवशेष, तण, जुन्या वेली आणि रोगग्रस्त/खराब झालेले वनस्पतींचे अवशेष काढून टाका. कीड आणि रोगांचा प्रसार कमी करण्यासाठी शेताच्या सीमा स्वच्छ ठेवा.	**கள சுகாதாரம்**	விதைப்பதற்கு முன், முந்தைய பயிர்களின் எச்சங்கள், களைகள், பழைய கொடிகள் மற்றும் நோய் தாக்கிய/சேதமடைந்த தாவரப் பொருட்களை அகற்றவும். பூச்சி மற்றும் நோய் பரவுவதைக் குறைக்க, வயலின் வரப்புகளைச் சுத்தமாகப் பராமரிக்கவும்.	**క్షేత్ర పారిశుధ్యం**	విత్తనాలు నాటే ముందు గత పంటల అవశేషాలు, కలుపు మొక్కలు, పాత తీగలు మరియు వ్యాధి సోకిన/దెబ్బతిన్న మొక్కలను తొలగించండి. తెగుళ్లు మరియు వ్యాధులు వ్యాపించకుండా ఉండేందుకు పొలం సరిహద్దులను శుభ్రంగా ఉంచండి.	**ಕ್ಷೇತ್ರ ನೈರ್ಮಲ್ಯ**	ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡುವ ಮೊದಲು ಹಿಂದಿನ ಬೆಳೆಗಳ ಅವಶೇಷಗಳು, ಕಳೆಗಳು, ಹಳೆಯ ಬಳ್ಳಿಗಳು ಮತ್ತು ರೋಗಪೀಡಿತ/ಹಾನಿಗೊಳಗಾದ ಸಸ್ಯ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಹಾಕಿ. ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ಹರಡುವಿಕೆಯನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಲು ಹೊಲದ ಗಡಿಗಳನ್ನು ಸ್ವಚ್ಛವಾಗಿಡಿ.
Soil requirement	Sandy loam to clay loam soil, well-drained, fertile, with good organic matter. Ideal pH-range: around 6.0-6.8. Avoid waterlogging to prevent root rot.	**मिट्टी की आवश्यकता**	बलुई दोमट से चिकनी दोमट मिट्टी, अच्छी जल निकासी वाली, उपजाऊ और पर्याप्त जैविक पदार्थ युक्त। आदर्श पीएच सीमा: लगभग 6.0-6.8। जड़ सड़न से बचने के लिए जलभराव से बचें।	**માટીની જરૂરિયાત**	રેતાળ લોમથી માટીવાળી લોમ માટી, સારી રીતે પાણી નિતારેલી, ફળદ્રુપ, સારા કાર્બનિક પદાર્થોવાળી. આદર્શ pH-શ્રેણી: લગભગ 6.0-6.8. મૂળના સડોને રોકવા માટે પાણીનો ભરાવો ટાળો.	**मातीची आवश्यकता**	वालुकामय चिकणमाती ते चिकणमातीयुक्त जमीन, उत्तम निचरा होणारी, सुपीक, आणि चांगल्या सेंद्रिय पदार्थांनी युक्त. आदर्श pH-श्रेणी: सुमारे ६.०-६.८. मुळे सडण्यापासून वाचवण्यासाठी जमिनीत पाणी साचू देऊ नका.	**மண் தேவை**	மணல் கலந்த வண்டல் மண் முதல் களிமண் கலந்த வண்டல் மண் வரை, நல்ல வடிகால் வசதியுள்ள, வளமான, சிறந்த கரிமப் பொருள் கொண்ட மண். உகந்த pH அளவு: சுமார் 6.0-6.8. வேர் அழுகலைத் தடுக்க, நீர் தேங்குவதைத் தவிர்க்கவும்.	**నేల అవసరం**	ఇసుకతో కూడిన లోమ్ నుండి బంకమట్టి లోమ్ నేల, నీరు నిలవని, సారవంతమైనది, మంచి సేంద్రియ పదార్థం కలది. ఆదర్శవంతమైన pH పరిధి: సుమారు 6.0-6.8. వేరు కుళ్ళిపోకుండా ఉండటానికి నీరు నిలవకుండా చూసుకోండి.	**ಮಣ್ಣಿನ ಅವಶ್ಯಕತೆ**	ಮರಳು ಮಿಶ್ರಿತ ಲೋಮ್ ನಿಂದ ಜೇಡಿಮಣ್ಣಿನ ಲೋಮ್ ಮಣ್ಣು, ಚೆನ್ನಾಗಿ ನೀರು ಬಸಿದು ಹೋಗುವ, ಫಲವತ್ತಾದ, ಉತ್ತಮ ಸಾವಯವ ಪದಾರ್ಥಗಳನ್ನು ಹೊಂದಿರುತ್ತದೆ. ಸೂಕ್ತವಾದ pH ಶ್ರೇಣಿ: ಸುಮಾರು 6.0-6.8. ಬೇರು ಕೊಳೆತವನ್ನು ತಡೆಗಟ್ಟಲು ನೀರು ನಿಲ್ಲುವುದನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ.
Soil Testing	Conduct soil testing at least once every 2–3 years for EC, pH, OC, and macro-micro nutrients, and apply fertilizers based on test results.	**मृदा परीक्षण**	मिट्टी की ईसी, पीएच, ओईसी और वृहद-सूक्ष्म पोषक तत्वों की जांच कम से कम हर 2-3 साल में एक बार करें और परीक्षण परिणामों के आधार पर उर्वरक डालें।	**માટી પરીક્ષણ**	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Climate Suitability	Climate: Understand crop-specific temperature, rainfall, and humidity needs. Choose sowing time and variety based on local agro-climatic zone. Temperature Range: 25°C to 35°C is ideal for growth Season: Warm-season crop; sensitive to frost Humidity: Moderate humidity preferred; high humidity may increase fungal diseases Sunlight: Requires full sun exposure for healthy flowering and fruiting	**जलवायु उपयुक्तता**	जलवायु: फसल की विशिष्ट तापमान, वर्षा और आर्द्रता संबंधी आवश्यकताओं को समझें। स्थानीय कृषि-जलवायु क्षेत्र के आधार पर बुवाई का समय और किस्म चुनें। तापमान सीमा: 25°C से 35°C वृद्धि के लिए आदर्श है। मौसम: गर्म मौसम की फसल; पाले के प्रति संवेदनशील। आर्द्रता: मध्यम आर्द्रता बेहतर है; अधिक आर्द्रता से फफूंद रोग बढ़ सकते हैं। सूर्य का प्रकाश: स्वस्थ फूल और फल लगने के लिए पूर्ण सूर्य के प्रकाश की आवश्यकता होती है।	**આબોહવા યોગ્યતા**	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Land preparation	Land preparation: Deep ploughing, harrowing, and leveling. Incorporate organic manure (FYM, compost) and soil amendments like lime or gypsum if needed. Deep ploughing followed by harrowing to create fine tilth Apply 10–15 tons/ha of FYM (farmyard manure) Add Neem Cake (100 kg/ha) for soil pest control Conduct soil testing to guide fertilizer application.	**भूमि की तैयारी**	भूमि की तैयारी: गहरी जुताई, हैरोइंग और समतलीकरण। जैविक खाद (सूखी खाद, कम्पोस्ट) और आवश्यकतानुसार चूना या जिप्सम जैसे मृदा संशोधक मिलाएं। गहरी जुताई के बाद हैरोइंग करके महीन मिट्टी तैयार करें। 10-15 टन/हेक्टेयर सूखी खाद (फार्मयार्ड मैन्योर) डालें। मिट्टी के कीट नियंत्रण के लिए नीम की खली (100 कि.ग्रा./हेक्टेयर) डालें। उर्वरक के प्रयोग को निर्देशित करने के लिए मृदा परीक्षण करें।	**જમીનની તૈયારી**	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Sowing Time	Sowing time: Select optimal sowing window based on crop season (Kharif, Rabi, Zaid) and local weather. Timely sowing ensures better germination and growth. Spring crop: January–March Rainy season crop: June–August Pre-soaking irrigation 3–4 days before sowing improves germination	**बुवाई का समय**	बुवाई का समय: फसल के मौसम (खरीफ, रबी, जैद) और स्थानीय मौसम के आधार पर बुवाई का सबसे उपयुक्त समय चुनें। समय पर बुवाई करने से अंकुरण और पौधों की वृद्धि बेहतर होती है। बसंत ऋतु की फसल: जनवरी-मार्च बरसाती ऋतु की फसल: जून-अगस्त बुवाई से 3-4 दिन पहले सिंचाई करने से अंकुरण में सुधार होता है।	**વાવણી સમય**	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Seed rate & Spacing	Spacing: Maintain recommended plant-to-plant and row-to-row spacing for each crop. Ensures proper sunlight, airflow, and reduces disease risk. Spacing: 75×30 cm for hybrids; 60×45 cm for traditional varieties Seed rate: Use crop-specific seed quantity per acre/hectare. Avoid overcrowding or under-planting. Seed Rate: 8–10 kg/ha	**बीज दर और दूरी**	पौधों के बीच उचित दूरी: प्रत्येक फसल के लिए अनुशंसित पौधों और पंक्तियों के बीच उचित दूरी बनाए रखें। इससे पर्याप्त धूप और हवा का प्रवाह सुनिश्चित होता है और रोग का खतरा कम होता है। बीच की दूरी: संकर किस्मों के लिए 75×30 सेमी; पारंपरिक किस्मों के लिए 60×45 सेमी बीज दर: प्रति एकड़/हेक्टेयर फसल के अनुसार बीज की मात्रा का प्रयोग करें। पौधों को बहुत पास-पास न बोएं और न ही बहुत कम बोएं। बीज दर: 8–10 किलोग्राम/हेक्टेयर	**બીજ દર અને અંતર**	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Seed Treatment	Seed treatment: Treat seeds with bioagents (Trichoderma, Pseudomonas) or fungicides/insecticides to protect against early-stage diseases and pests. Seed Treatment: Trichoderma viride or Carbendazim @ 5–10 g/kg seed	**बीज उपचार**	बीज उपचार: प्रारंभिक अवस्था के रोगों और कीटों से बचाव के लिए बीजों को बायोएजेंट (ट्राइकोडर्मा, स्यूडोमोनास) या फफूंदनाशक/कीटनाशकों से उपचारित करें। बीज उपचार: ट्राइकोडर्मा विरिडे या कार्बेन्डाजिम @ 5–10 ग्राम/किलोग्राम बीज	**બીજ માવજત**	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Weed Management	Weed control:Use manual, mechanical, or chemical methods. Apply pre-emergence herbicides (e.g., Pendimethalin) or post-emergence as needed. Apply Pendimethalin (1 liter/ha) as a pre-emergence herbicide Manual weeding at 20–25 days and again at 40–45 days Mulching can help suppress weeds and retain moisture.	**खरपतवार प्रबंधन**	खरपतवार नियंत्रण: मैन्युअल, यांत्रिक या रासायनिक विधियों का प्रयोग करें। आवश्यकतानुसार अंकुरण पूर्व या अंकुरण पश्चात खरपतवारनाशक का प्रयोग करें। अंकुरण पूर्व खरपतवारनाशक के रूप में पेंडिमेथालिन (1 लीटर/हेक्टेयर) का प्रयोग करें। 20-25 दिनों में और फिर 40-45 दिनों में मैन्युअल रूप से खरपतवार निकालें। मल्चिंग खरपतवारों को दबाने और नमी बनाए रखने में सहायक हो सकती है।	**નીંદણ વ્યવસ્થાપન**	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Fertilizer Management	Nutrient Management (Basal_Top Dressing): Apply basal fertilizers during land prep (FYM, SSP). Use top dressing (Urea, MOP, micronutrients) at critical growth stages. Follow soil test recommendations. Basal dose: FYM: 10–15 tons/ha SSP (Phosphorus): 50 kg/ha Top dressing: Urea: 50 kg/ha split at 30 and 45 DAS MOP (Potash): 25 kg/ha Micronutrients: Apply Zinc and Boron if deficiency symptoms appear.	**उर्वरक प्रबंधन**	पोषक तत्व प्रबंधन (बेसल-टॉप ड्रेसिंग): खेत तैयार करते समय बेसल उर्वरक (FYM, SSP) डालें। महत्वपूर्ण वृद्धि चरणों में टॉप ड्रेसिंग (यूरिया, MOP, सूक्ष्म पोषक तत्व) का प्रयोग करें। मृदा परीक्षण की अनुशंसाओं का पालन करें। बेसल मात्रा: FYM: 10-15 टन/हेक्टेयर SSP (फॉस्फोरस): 50 कि.ग्रा./हेक्टेयर टॉप ड्रेसिंग: यूरिया: 50 कि.ग्रा./हेक्टेयर, 30 और 45 दिनों के अंतराल पर विभाजित करके डालें। MOP (पोटाश): 25 कि.ग्रा./हेक्टेयर सूक्ष्म पोषक तत्व: यदि कमी के लक्षण दिखाई दें तो जस्ता और बोरॉन डालें।	**ખાતર વ્યવસ્થાપન**	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Irrigation Management	Irrigation: Schedule irrigation based on crop stage and soil moisture. Use drip/sprinkler for efficiency. Avoid waterlogging or drought stress.	**सिंचाई प्रबंधन**	सिंचाई: फसल की अवस्था और मिट्टी में नमी की मात्रा के आधार पर सिंचाई का समय निर्धारित करें। बेहतर दक्षता के लिए ड्रिप/स्प्रिंकलर का उपयोग करें। जलभराव या सूखे की स्थिति से बचें।	**સિંચાઈ વ્યવસ્થાપન**	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Pest Management	Pest management: Monitor regularly. Use IPM: cultural, biological, and chemical controls. Spray only when pest threshold is crossed. Rotate insecticides to prevent resistance. Jassids, whiteflies, fruit borers are common Use Neem oil (30 ml/liter) or Emamectin benzoate if pest threshold is crossed Follow IPM practices: crop rotation, pheromone traps, and resistant varieties.	**कीट प्रबंधन**	कीट प्रबंधन: नियमित निगरानी करें। पारंपरिक कीट प्रबंधन (आईपीएम) का उपयोग करें: सांस्कृतिक, जैविक और रासायनिक नियंत्रण। कीटों की संख्या बढ़ने पर ही छिड़काव करें। प्रतिरोध से बचने के लिए कीटनाशकों का बारी-बारी से प्रयोग करें। जैसिड, सफेद मक्खियाँ और फल छेदक कीट आम हैं। कीटों की संख्या बढ़ने पर नीम का तेल (30 मिली/लीटर) या इमेमेक्टिन बेंजोएट का प्रयोग करें। आईपीएम पद्धतियों का पालन करें: फसल चक्र, फेरोमोन जाल और प्रतिरोधी किस्में।	**જીવાત વ્યવસ્થાપન**	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Disease Management	Disease management: Identify symptoms early. Use resistant varieties, crop rotation, and fungicides (e.g., Mancozeb, Carbendazim) as per need. Maintain field hygiene. Major diseases: Yellow Vein Mosaic Virus (YVMV), Powdery Mildew, Leaf Spot Use resistant varieties like Parbhani Kranti Apply Mancozeb + Carbendazim (2–3 g/liter) for fungal control Maintain field hygiene and avoid overhead irrigation.	**रोग प्रबंधन**	रोग प्रबंधन: लक्षणों की शीघ्र पहचान करें। आवश्यकतानुसार प्रतिरोधी किस्मों, फसल चक्र और फफूंदनाशकों (जैसे मैनकोजेब, कार्बेन्डाजिम) का प्रयोग करें। खेत की स्वच्छता बनाए रखें। प्रमुख रोग: पीली शिरा मोज़ेक वायरस (वाईवीएमवी), पाउडरी मिल्ड्यू, लीफ स्पॉट परभनी क्रांति जैसी प्रतिरोधी किस्मों का प्रयोग करें। फफूंद नियंत्रण के लिए मैनकोजेब + कार्बेन्डाजिम (2-3 ग्राम/लीटर) का प्रयोग करें। खेत की स्वच्छता बनाए रखें और ऊपर से सिंचाई करने से बचें।	**રોગ વ્યવસ્થાપન**	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Harvesting & Yield	Days to maturity: Know crop-specific maturity duration. Helps plan harvesting and market timing. Monitor physiological indicators (e.g., pod color, leaf drying). 45–60 days depending on variety and season Monitor pod development; harvest when pods are 3–5 inches long and tender.	**कटाई और उपज**	पकने में लगने वाले दिन: फसल की परिपक्वता अवधि जानें। इससे कटाई और बाज़ार में बेचने का समय तय करने में मदद मिलती है। शारीरिक संकेतों (जैसे, फली का रंग, पत्तों का सूखना) पर नज़र रखें। किस्म और मौसम के आधार पर 45-60 दिन। फली के विकास पर नज़र रखें; जब फलियाँ 3-5 इंच लंबी और मुलायम हों, तब कटाई करें।	**લણણી અને ઉપજ**	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Post-Harvest Management & Storage	Harvesting:Harvest at correct stage for best quality and yield. Use clean tools. Avoid damage to produce. Schedule based on market demand and weather. Start harvesting 45–50 days after sowing Pick pods every 2–3 days to maintain quality and encourage new growth Avoid over-mature pods as they reduce market value.	**फसल कटाई के बाद का प्रबंधन और भंडारण**	कटाई: सर्वोत्तम गुणवत्ता और उपज के लिए सही समय पर कटाई करें। स्वच्छ औजारों का प्रयोग करें। फसल को नुकसान से बचाएं। बाजार की मांग और मौसम के अनुसार कटाई का समय निर्धारित करें। बुवाई के 45-50 दिन बाद कटाई शुरू करें। गुणवत्ता बनाए रखने और नई वृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए हर 2-3 दिन में फली तोड़ें। अधिक पकी हुई फलियों से बचें क्योंकि वे बाजार मूल्य कम कर देती हैं।	**લણણી પછીનું સંચાલન અને સંગ્રહ**	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Disclaimer	These recommendations are based on SAUs, government agencies, and trial centers. Actual results may vary depending on soil type, climate, variety, and crop management practices.	**अस्वीकरण**	ये सिफ़ारिशें एसएयू, सरकारी एजेंसियों और परीक्षण केंद्रों पर आधारित हैं। वास्तविक परिणाम मिट्टी के प्रकार, जलवायु, किस्म और फसल प्रबंधन पद्धतियों के आधार पर भिन्न हो सकते हैं।	**અસ્વીકરણ**	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]